पण्डित सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय छत्तीसगढ, बिलासपुर
कोनी- बिरकोना मार्ग, बिलासपुर छ. ग. 495009 दूरभाष क्रमांक: (07752) 240702
(छ. ग. शासन के अधिनयम क्रमांक 26 सन 2004 द्वारा स्थापित)
Email: registrar@pssou.ac.in, Web site: www.pssou.ac.in

प्रतिवेदन: ओपन एंड डिस्टेंस लर्निंग (ODL) कार्यक्रम के परिचय

दिनांक 9 अप्रैल 2024, गुरुवार को पंडित सुंदरलाल शर्मा विश्वविद्यालय, छत्तीसगढ़ द्वारा ओपन एंड डिस्टेंस लर्निंग (ODL) कार्यक्रम के परिचय और संचालन को लेकर विशेष सत्र का आयोजन किया गया। यह सत्र विश्वविद्यालय के प्रशासनिक भवन में सुबह 10:30 बजे से शाम 5:00 बजे तक आयोजित हुआ। सत्र का उद्देश्य शिक्षकों, छात्रों और विश्वविद्यालय के प्रशासनिक स्टाफ को ओडीएल कार्यक्रम की प्रमुख विशेषताओं, चुनौतियों और अवसरों से अवगत कराना था। इस विशेष सत्र में लगभग 200 प्रतिभागी शामिल हुए |

कार्यक्रम का शुभारंभ 10:30 बजे हुआ। श्री बी.एस. राज, रजिस्ट्रार ने अतिथियों और छात्रों का स्वागत किया। दीप प्रज्वलन के पश्चात, उपस्थित जनों को विश्वविद्यालय की उपलब्धियों और इस सत्र के महत्व से परिचित कराया गया।

डॉ. शोभित बाजपेयी (निदेशक, CDOE), डॉ. मनीष साव (परीक्षा नियंत्रक), और प्रो. बंश गोपाल सिंह (कुलपति) ने ओडीएल कार्यक्रम की विशेषताओं, यूजीसी के नियमों, और वर्तमान परिदृश्य पर प्रकाश डाला। उन्होंने ओडीएल की "समानता, पहुंच, लचीलापन और गुणवत्ता" जैसे पहलुओं की व्याख्या की।

डॉ. बीना सिंह, डॉ. एम.एल. चंद्राकर, और अन्य विशेषज्ञों ने परीक्षा और मूल्यांकन प्रक्रियाओं पर चर्चा की। उन्होंने ABC आईडी निर्माण, क्रेडिट ट्रांसफर, और SLM (स्वयं अध्ययन सामग्री) की डिज़ाइन एवं विकास प्रक्रिया की जानकारी दी। इस दौरान विश्वविद्यालय के संसाधनों, सुविधाओं, और प्रयोगशालाओं का भी परिचय दिया गया।

छात्रों को अकादमिक कैलेंडर, असाइनमेंट और मूल्यांकन प्रक्रियाओं के साथ-साथ महत्वपूर्ण समय सीमाओं के बारे में जानकारी दी गई। इसके अतिरिक्त, छात्रों को विश्वविद्यालय के कैंपस का वर्चुअल दौरा भी करवाया | , प्रो. बी.के. सोनी (स्कूल ऑफ साइंस), डॉ. संतोष बाजपेयी (स्कूल ऑफ एजुकेशन), डॉ. हीरालाल शर्मा (स्कूल ऑफ ह्यूमैनिटीज), और अन्य विभागों के निदेशकों ने स्वयं का परिचय दिया और अपने-अपने विभागों के प्रमुख पहलुओं पर चर्चा की।

छात्रों के लिए उपलब्ध सहायता सेवाओं, उनके दायरे और अवसरों पर विस्तार से चर्चा की गई। इसमें वेब पोर्टल, शिकायत निवारण प्रणाली, फीस वापसी नीति, छात्रवृत्ति, और प्लेसमेंट सेवाओं के बारे में जानकारी दी गई।

4:10 से 4:50 तक प्रश्नोत्तर सत्र आयोजित किया गया, जिसमें छात्रों और शिक्षकों ने कार्यक्रम से संबंधित अपने प्रश्न पूछे। प्रो. शोभित बाजपेयी ने सभी सवालों का उत्तर देकर विषय पर स्पष्टता प्रदान की।

कार्यक्रम का समापन 4:50 से 5:00 बजे तक हुआ। श्री बी.एस. राज ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। उन्होंने सभी वक्ताओं, प्रतिभागियों और आयोजन समिति के सदस्यों को कार्यक्रम की सफलता के लिए धन्यवाद दिया।

यह सत्र ओडीएल कार्यक्रम की अवधारणा, इसके संचालन, और इसके महत्व को समझाने में अत्यंत सफल रहा। शिक्षकों और छात्रों को ओडीएल के लाभ, चुनौतियों और इसकी कार्यप्रणाली से अवगत कराना इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य था, जिसे पूरे उत्साह और स्पष्टता के साथ पूरा किया गया। भविष्य में इस प्रकार के कार्यक्रम छात्रों और शिक्षकों के लिए प्रेरणादायक और सहायक सिद्ध होंगे।

प्रभारी
क्षेत्रीय सेवा प्रभाग